सीएमपीडीआई के मयूरी हॉल में दो-दिवसीय कार्यशाला का शुभारंभ

रांची 26 सितम्बर 2014: सीएमपीडीआई के "मयूरी हॉल" में दिनांक 26.09.2014 एवं 27.09.2014 को "टेकनोलॉजिकल चैलेंजेज इन कोल एक्सप्लोरेशन" विषय पर आयोजित दो-दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया है। मुख्य अतिथि सीएमपीडीआई के अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक श्री ए0के0 देबनाथ ने अपने उद्घाटन भाषण में कहा कि आज द्रुत गति से कोयले की गवेषण करने की आवश्यकता हे। इसके लिए विशेषज्ञता हासिल करनी है। उन्होंने गवेषण विभाग के पिछले वर्ष की उपलब्धियों की सराहना की और कहा कि यह सब एक टीम भावना से कार्य करने का परिणाम है। उन्होंने उम्मीद जतायी कि इस दो दिवसीय कार्यशाला में विभिन्न संस्थानों एवं संगठनों से आए विशेषज्ञों के गहन विचार-विमर्श से निश्चित रूप से गवेषण के क्षेत्र में सार्थक परिणाम आएगा।

इस अवसर पर सीएमपीडीआई के निदेशक (तकनीकी/ईएस) श्री डी0के0 घोष एवं मुख्य सतर्कता अधिकारी श्री एम0के0 झा ने वर्कशॉप की सफलता की कामना की तथा सीएमपीडीआई के समक्ष गवेषण की कठिनाइयों को दूर करने में इस कार्यशाला से मदद मिलेगी।

इस मौके पर निदेशक (तकनीकी/सीआरडी) श्री एस0 शरण ने कहा कि इस कार्यशाला से कोयले के प्रमाणित भंडार के आकलन को बढ़ाने में सफलता मिलेगी। उन्होंने कोयले की गवेषण में नई तकनीक को समावेश करने पर बल दिया।

इस कार्यशाला में कोल इंडिया और इसके अनुषंगी कम्पनियों के अलावा, सीएमपीडीआई के कई क्षेत्रीय संस्थान, एमईसीएल, जीएसआई, सीजीडब्ल्यूबी, डीजीएम एवं जेएसएमडीसी आदि तथा कोरस-इंडिया, मुकुंद वीनी, एस्सार ग्रुप, सीईएससी, रिसर्च इंस्टीच्यूट, शैक्षणिक एवं कोयला खनन एवं गवेषण से संबंधित कम्पनी/संगठन के प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया।

स्वागत भाषण महाप्रबंधक (गवेषण) श्री अमिताभ दास तथा महाप्रबंधक (जियालॉजी) श्री आलोक शर्मा ने धन्यवाद ज्ञापन किया। वहीं महाप्रबंधक (जियालॉजी) श्री ए0वी0 सहाय ने इस वर्कशॉप के तकनीकी पहलुओं पर संक्षिप्त में प्रकाश डाला।

***